

PYRIPROXYFEN 10% EC (INSECTICIDE)

Pyriproxyfen is a systemic insect growth regulator that suppresses embryogenesis, and inhibits metamorphosis and reproduction in insects. It is used for the control of sucking pest on Cotton crop & Chill crop; Whiteflies & Jassids on Brinjal and Okra Crop.

Warning : Not to be used on crops and pests other than mentioned on label & leaflets, not to be used for post harvest application, "Dangerous/harmful to fish-Do not contaminate lakes, Rivers, Ponds or streams.

Recommendation :

Crop(S)	Common name of pest	Dosage/HA. A.I. formula (gm)	in water (ml)	Dilution (Ltr)	Waiting period between last spray to harvest (in days)	Re-entry after each Application (in Hours)
Cotton	Whitefly	50	500	500	50	
Brinjal	Whiteflies & Jassids	50	500	300	7	
Okra	Whiteflies & Jassids	50	500	300	7	
Chilli	Whiteflies & Jassids	50	500	300	7	

Direction of Use : It should be applied as foliar spray. No specific soil conditions are prescribed. Do not apply at flowering and just before harvesting (after observing PHI). Uniform coverage is necessary for effective control of insect pests. A simple knapsack sprayer fitted with hollow cone nozzle type can be used for spraying. Mix the recommended dose 1/4 of the recommended quantity of water to the spray tank with agitation. Add remaining quantity of water with continuous agitation. Ensure complete dispersion of the product in mix water before spraying of the spray solution. Maintain agitation while spraying.

Time of Application : Apply as soon as the insect population begins to appear in the field but before it reaches Economic Threshold Level (ETL). Weather should be clear, clam, no rains and no strong winds. NUMBER OF APPLICATION :- 2-3 sprays are required at the interval of 7-14 days, depending upon the pest infestation. No more than three sprays in a season.

Precaution : Protective clothing should be worn while mixing and spraying. Wash contaminated clothes and body part of the body after application avoid inhalation. Do not smoke, drink, eat and chew anything during application.

Symptoms Of Poisoning : Headache, Dizziness, Weakness, Nausea and Irritation or burns of esophagus or gastrointestinal tract.

First Aid : If inhaled remove the patient to fresh air. Call the physician immediately. In case of contact with eyes immediately flush with plenty of water for at least 15 minutes (remove contact lenses if easily possible) then take to a doctor. If on skin wash with plenty of soap and water. Wash contaminated clothing before re-use. If swallowed, rinse mouth with water and give 1-2 glasses of water to drink. Call the physician immediately.

Phytotoxicity :

Antidote : No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy.

Disposal Of Used Container : 1. Packages or surplus material and washing from the machines and containers should be disposed of in a safe manner so as to present environment or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Storage Conditions : The packages containing the insecticide shall be stored in separate rooms or premises away from the room or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and keys depending upon the quantity and nature of the insecticide. Keep out of reach of children. The store room should be well built, well lit, ventilated and sufficient dimensions. The conditions of the store should be dry and cool.

Chemical Composition:

Pyriproxyfen a.i.	: 10.00 % w/w
Emulsifier : Blend of ionic and nonionic ca- salt of alkyl sulfonate and poly oxy ethylene Ether	: 8.00 % w/w
Solvent CIX : Solvent Naphtha (Petroleum, light aromatic)	: Q.S.%
Total	: 100.00% w/w

Caution : Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

पायरीप्रोक्सीफेन १० प्रतिशत ई.सी. (कीटनाशक)

पायरीप्रोक्सीफेन एक दैहिक कीट वृद्धि नियंत्रक है जो भ्रूण विकास, रूपांतरण और प्रजनन को रोकता है। पायरीप्रोक्सीफेन का इस्तेमाल कपास व मिर्च की खेती में चूसक कीड़े की रोकथाम; बैंगन और भिन्डी की खेती में सफेद मखी और तेला की रोकथाम के लिये किया जाता है।

चेतावनी : पत्रिका व लेबल में दिये हुए फसलों व कीटों के अलावा अन्य के लिए उपयोगित नहीं है, फसल कटाई के बाद इसका उपयोग न करें, मछलियों के लिए खतरनाक / नुकसानदायक। झरनों, तालाब व नहर में न मिलने दें।

उपयोग :

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा स. तत्व संरचना (कि.ग्रा)	पाणी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल (दिन)	पुनः प्रवेश की अवधि प्रत्येक
कपास	सफेद मखी	५०	५००	५००	५०
बैंगन	सफेद मखी, तेला	५०	५००	३००	७
भिन्डी	सफेद मखी, तेला	५०	५००	३००	७
मिर्च	सफेद मखी और माहू	५०	५००	३००	७

उपयोग के लिए निर्देश : इसका उपयोग फोलियर स्प्रे से करना चाहिये। कोई मिटटी की स्थिती निगरहित नहीं है। (पीएचआई के अबलोकन के बाद) फूल और सिर्फ कटाई से पहले लागू न करें। कीटों की अच्छी रोकथाम के लिए समान मात्रा में चरों तरफ छिड़काव होना चाहिये। नेप्सेक स्प्रेयर खोखला कोना नोक प्रकार के साथ का उपयोग किया जा सकता है। सुझाई गई डोज का एक चोथाई भाग बतये गये पानी के साथ हिलाते हुये टैंक में मिलाइए। बची हुई सामग्री को इसी तरह हिलाते हुये टैंक में मिलाए। सुनिश्चित करें लें की कीटनाशक पानी में पूरी तरह से घुल गया हो। स्प्रे करते समय मिलवाक को समान रखने के लिए स्प्रेयर को हिलाते रहें।

प्रयोग का समय : कीटों का खेतों में दिखायी देने पर कीटनाशक का प्रयोग करें इससे पहले की वे खेती के नुकसान के उच्चतम स्तर तक पहुंचे। मौसम साफ, शांत, कोई बारिश और कोई तेज हवाओं का नहीं होना चाहिये।

छिड़काव की संख्या :- २-३ बार छिड़काव ७ से १४ दिनों के अंदर कीटों की संख्या के आधार पर करें। एक सत्र में ३ कोई से अधिक स्प्रे नहीं।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां : छिड़काव व मिश्रण करते समय व छिड़काव करते समय शरीर पर ढकने वाले वस्त्र पहन लें। छिड़काव के बाद दूषित कपड़ों व शरीर को अच्छी तरह से धो लें। इस कीटनाशक को छिड़कते व मिलाते समय साँस द्वारा अंदर लेने व त्वचा से लगने से बचें। छिड़काव करते समय खाना, पीना, धुंध्रपान करना व तम्बाकू चबाना नहीं करें।

विष के लक्षण : सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी, मितली होना, श्वसन नली एवम पाचन तंत्र में जलन व खुजलाहट होना।

प्राथमिक चिकित्सा : सूँघना :- रोगी को तुरंत खुली हवा में ले जायें। तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें। आंख :- आंख को तुरंत पानी से १५ मिनट तक धो लें (आगर आसानी से काटेक्स लैंस निकाल सकें तो निकाल लें) व फिर डॉक्टर के पास ले जायें त्वचा :- त्वचा से सम्पर्क में आने तुरंत पानी व साबुन से धो लें। व कपड़े दोबारा पहनने से पहले धो लें। निगलना :- पानी से कुल्ला करायें १ से २ गिलास पानी पीने को दें। डॉक्टर को तुरंत बुला लें।

पौधविशाक्तता :

विष नाशक : कोई विशेष विषनाशक नहीं है लक्षणों के अनुसार ईलाज करें।

खाली डिब्बों का निपटारा : खाली डिब्बों तथा अवसिष्ट पदार्थ मशीनों की धोवन का निवारण ऐसे सुरक्षित रीती से होना चाहिये की पानी तथा वातावरण के दूषित होने का खतरा न रहे। प्रयुक्त कीटनाशक के खाली पैकेट को खुले स्थान पर नहीं छोड़ना चाहिये जिससे की उनके दोबारा प्रयोग करने से बचाया जा सके। खाली कंटेनर का दोबारा प्रयोग करना खतरनाक है।

संग्रहण की शर्तें : कीटनाशक से भरे डिब्बों को अलग कमरों या जगहों में रखेंतथा उन कमरों या जगहों से दूर रखें जिनमें अन्य वस्तुएं रखी जाती है। या अलग अलमारियों में ताला-चाबी लगाकर कीटनाशक की मात्रा व गुण के हिसाब से रखें। जिस कमरे या अलमारी में कीटनाशक का भंडारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा प्रकाशमय, हवादार तथा पर्याप्त आकार का होना चाहिये जिससे कीटनाशक के भाप से वातावरण प्रदूषित होने का खतरा न रहे। बच्चों की पहुँच से दूर रखें।

रासायनिक संरचना :

पायरीप्रोक्सीफेन स.त.	: १०.००% भार/भार
ईमल्सरफायर : ब्लैंड ऑफ आयनिक व नानआयनिक कैल्शियम साल्ट ऑफ अल्कायल अरायल सल्फोनेट व पोली ऑक्सी इथलीन इथर	: ८.००% भार/भार
सोल्वेंट सी : नाइन नेप्था	: पर्याप्त मात्रा %
योग	: १००.०० % भार/भार

चेतावनी : इस लेबल / पत्रिका में निर्देशित न किये गये फसलों पर इस्तेमाल ना करें।

పైరిప్రోక్సిఫెన్ 10% ఇ.సి. (కీటకనాశిని)

పైరిప్రోక్సిఫెన్ ఒక అంతర్లవాహ కీటక వృద్ధి నిరోధకం. ఇది గ్రుడ్డు ఉత్పన్నం అవకుండా అణచివేస్తుంది మరియు కీటకాలలో మెటామార్ఫోసిస్‌ను మరియు పునరుత్పత్తిని నిరోధిస్తుంది. ప్రత్యేక పంట మరియు మిల్చు పంటలు ఆశించే రసం పీచే పురుగుల్ని మరియు అపయోగించడానికి మరియు పంకాయ మరియు బెండ పంటలు ఆశించే తెల్లబడిమలు పచ్చడిమల్చిని అపయోగించడానికి ఇది ఉపయోగించబడుతుంది.

హెచ్చరిక: తేలుల పై మరియు కరపత్రాలు పై పేర్కొన్న పంటలు మరియు తెగుళ్ళు కోసం ముఖ్యమ ఉపయోగించాలి, కోతకు తరువాత ఉపయోగించరాదు, చేపలకు హానికరమైనది / ప్రమాదకరమైనది- చెరువులు, నరస్సులు, కొలనులు లేదా వాగుల్ని కలుషితం చేయరాదు. సిఫార్సు:

పంట	కీటక సాధారణ నామము	మాతాదు / వాల్చరుకు వి.ఐ. (గ్రా.)	వాల్చరుకు సాధారణ (మిల్)	సీజిలో పలుపడ (లిటరు)	వివిధ వాడం మరియు కోత మధ్య వ్యవధి సమయము (రోజులలో)	పిచికారీ ప్రతిరో మరల (రోజులలో)
పత్తి	తెల్ల బియ్యం	50	500	500	50	
పంకాయ	తెల్ల బియ్యం మరియు పచ్చి బియ్యం	50	500	300	7	
బెండ	తెల్ల బియ్యం మరియు పచ్చి బియ్యం	50	500	300	7	
మొవడ	తెల్ల బియ్యం మరియు పచ్చి బియ్యం	50	500	300	7	

ఉపయోగించడానికి సూచనలు: ఆకులుపై పిచికారీగా దీనిని ఉపయోగించాలి. ప్రత్యేకమైన నేల పరిస్థితులు సూచించబడలేదు. పుష్పించే సమయంలో మరియు కోతలకు ముందు (పీహావేసిన గమనించిన తరువాత) ఉపయోగించరాదు. కీటకాల తెగుళ్ళు యొక్క ప్రభావపడంపైను నియంత్రణ కోసం ఏకీకృత కవచిత అవసరం. పిచికారీ కోసం బోలా కోస్ నాబల్ రకంతో అమర్చబడిన సాధారణ న్యాస్సెస్క్ స్ప్రేయర్‌ని ఉపయోగించాలి. బాగా కలుపుతూ పిచికారీ ట్యాంక్ కి సిఫార్సు చేయబడిన నీటి పరిమాణం యొక్క 1/4 మోతాదుని మిశ్రమం చేయాలి. నిరంతరంగా కలుపుతూ తక్కిన నీటి పరిమాణాన్ని చేర్చాలి. పిచికారీ మిశ్రమాన్ని పిచికారీ చేయడానికి ముందు మిశ్రమం చేయాలి. పిచ్చిరాదు. ఉపయోగించే సమయంలో ఏదీ తినరాదు, త్రాగరాదు, పాగ త్రాగరాదు, సమలరాదు.

ఉపయోగించే సమయం: పొలంలో కీటకాల సంఖ్య కనిపించిన వెంటనే మరియు ఏకనామిక త్రెషిల్డ్ రేవెల్ (ఉటీవెల్)కి చేరడానికి ముందు ఉపయోగించాలి. వాతావరణం స్పష్టంగా, ప్రశాంతంగా, వర్షం లేకుండా, బలమైన గాలులు వీచకుండా ఉండాలి.

ఉపయోగించాల్సిన పిచికారీల సంఖ్య: తెగుళ్ళ సంక్రమణ ఆధారంగా 7-14 రోజుల పాటుమంట్లో 2-3 పిచికారీలు కావాలి. ఒక సీజన్లో మూడు పిచికారీలు కంటే ఎక్కువ చేయరాదు. ముందు జాగ్రత్తలు: మిశ్రమం చేసే సమయంలో మరియు పిచికారీ చేసే సమయంలో రక్షణనిచ్చే దుస్తులు ధరించాలి. ఉపయోగించిన తరువాత కలుషితమైన దుస్తులు మరియు శరీర భాగాల్ని శుభ్రం చేయాలి. పిచ్చిరాదు. ఉపయోగించే సమయంలో ఏదీ తినరాదు, త్రాగరాదు, పాగ త్రాగరాదు, సమలరాదు.

విషపూరితం లక్షణాలు: తలనొప్పి, తల తిరగడం, బలహీనత, వికారం, చికాకు లేదా అపహా నాళంలో లేదా న్యూరొఇంటెస్టినల్ నాళంలో మంట కలగవచ్చు.

ప్రథమ చికిత్స: పిచ్చినట్లయితే రోగిని తాజా గాలిలోకి తీసుకురావాలి. వెంటనే డాక్టర్‌కి కాల్ చేయాలి. కళ్ళకి తగిలినట్లయితే వెంటనే కళ్ళని ఎక్కువ నీటితో కనీసం 15 నిమిషాలు కడగాలి (సులభంగా తీయడం సాధ్యమైతే కాంటాక్ట్ లెన్స్‌లు తీయాలి). తదుపరి డాక్టర్‌ని సంప్రదించాలి. చర్మం పై పడితే ఎక్కువ నీరు, సబ్బుతో కడగాలి. కలుషితమైన దుస్తుల్ని మళ్ళీ ఉపయోగించడానికి ముందు శుభ్రం చేయాలి. మింగినట్లయితే, నీటితో నోటిని కడగాలి మరియు త్రాగడానికి 1-2 గ్లాసుల నీరు ఇవ్వాలి. వెంటనే డాక్టర్‌ని సంప్రదించాలి.

విషతుల్యత:

విరుగుడు : ప్రత్యేకమైన విరుగుడు ఏమీలేదు. లోగలక్షణములను బట్టి చికిత్స చేయవలెను.

ఖాళీ డబ్బాలను సాఫ్ట్‌వేయలు : 1. ఖాళీ డబ్బాలను, మిగిలిపోయిన ముందు, మరియు నిరంతరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని కాదు జాగ్రత్త వహిస్తూ అంటే పరిసరాలు, నీరు, నీలపనరులు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకుంటూ సాఫ్ట్‌వేయకాలి. 2. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏ విధంగానూ వాడరాదు గమక వాటిని బయట అలా వదిలేయరాదు. 3. ఖాళీ డబ్బాలను పగులకాట్టి మనుష్యుల సందానికి దూరంగా పాతిపట్టాలి.

ముందు నిల్వ : 1. కీటకనాశనలను కలిగి ఉన్న ప్యాకేజీలను విడిగడులు లేదా ప్రదేశాలలో, నిల్వ చేయండి ఇతర పదార్థాలను నిల్వ చేయడానికి వాడే గడులు ప్రదేశాలకు దూరంగా లేదా కీటకనాశనల పరిమాణం మరియు స్వభావంపై ఆధారపడి విడి అల్కాలలో తాళంపేసి నిల్వ చేయవలెను. 2. కీటకనాశనలను నిల్వ చేయడానికి నిర్దేశించబడిన గడులు లేదా ప్రదేశాలు చక్కగా కట్టబడి, మంచి వెలుతురు, పొడిగా, మంచి గాలి ప్రసరణతో నీటి అవిద్రవత కలుషితం అవకుండా ఉండటానికి తగినంత కొలతలు కలిగి ఉండవలెను.

రసాయన మిశ్రమం:

పైరిప్రోక్సిఫెన్ వి.ఐ.	: 10.00% భా/భా
ఏమల్చర్ పైచ్యు : అయోనిక మరియు నాన్ అయోనిక సిపి-	
అల్కొల్ సల్ఫోనెట్ యొక్క మరియు పాల్	
అక్సి ఇథిల్డ్ ఈథర్ యొక్క లపణం.	: 8.00% భా/భా
ద్రావణం సిపిక్ : ద్రావణం నాప్తి (పెట్రోలియం, తేలికపాటి పరిమళం)	: క్యాంపెన్ %
మొత్తం	: 100.00% భా/భా

హెచ్చరిక: లేబల్/కరపత్రం మీద పుష్ప పంటలు కాకుండా ఇతర పంటల మీద వాడరాదు.